

03667

**POST GRADUATE DIPLOMA IN  
INTERNATIONAL BUSINESS  
OPERATIONS/MASTER OF  
COMMERCE**

**Term-End Examination  
December, 2010**

**IBO-03 : INDIA'S FOREIGN TRADE**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

*Note : Attempt any five questions. All questions carry equal marks.*

1. Explain the rationale of export promotion policies in India and discuss the guide lines for effective export promotion strategies being adopted. **10+10=20**
  
2. Explain the benefits and facilities provided to the units located in Export Processing Zones (EPZs) and evaluate the export performance from India's EPZs. **15+5=20**
  
3. What are the various measures taken by the government of India to enhance agricultural exports ? What strategies would you suggest to boost exports of agricultural products ? **12+8=20**

4. Outline the export strategies that India needs to adopt to combat challenges in the Post-Uruguay Round phase, when the quota regime in textile and clothing was dismantled. 20
5. Discuss export trend and market potential of any two major services in each of the conventional and non-conventional services sectors.  $5+5+5+5=20$
6. Discuss recent trends and prospects in Indo-U.S. trade relations. What are the major constraints in expansion of Indo-US trade ? 12+8=20
7. (a) What do you understand by Current Account Convertibility and Capital Account Convertibility ?  
(b) Describe the salient features of India's Balance of Payment. 10+10=20
8. Write short notes on the following :  $5+5+5+5=20$   
(a) International organisations for promotion of world trade.  
(b) South Asian Association for Regional Cooperation (SAARC).  
(c) India-Commonwealth of Independent States (CIS) trade relations.  
(d) Export prospects of Indian Handicrafts.
-

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर  
डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

आई.बी.ओ.-03 : भारत का विदेश व्यापार

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

**नोट :** किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. भारत में निर्यात उत्पादन नीतियों के औचित्य की व्याख्या कीजिए तथा प्रभावी निर्यात उत्पादन के लिए अपनायी जाने वाली कार्यनीतियों के मार्गदर्शी सिद्धांतों का विवेचन कीजिए। 10+10=20
2. निर्यात प्रक्रमण क्षेत्रों (EPZs) में स्थित इकाइयों को प्रदान किए जाने वाले लाभों एवं सुविधाओं की व्याख्या कीजिए, तथा भारत के निर्यात प्रक्रमण क्षेत्रों के निर्यात निष्पादन का मूल्यांकन कीजिए।  
15+5=20
3. कृषि निर्यात में वृद्धि के लिए भारत सरकार ने क्या विभिन्न उपाय किए हैं? कृषि उत्पादों के निर्यात वर्धन के लिए आप किन कार्यनीतियों का सुझाव देंगे?  
12+8=20

4. जब वस्त्रों एवं कपड़ा उद्योग में कोटा शासन पद्धति को समाप्त कर दिया गया तो यूरुग्वे-राउंड के बाद (Post-Uruguay Round) के काल की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत को क्या निर्यात कार्य नीतियां अपनानी चाहिए? उल्लेख कीजिए। 20
5. परंपरागत एवं गैर-परंपरागत सेवाओं के प्रत्येक सेवा खंड की दो प्रमुख सेवाओं के निर्यात की प्रवृत्ति तथा बाजार संभाव्यता की व्याख्या कीजिए। 5+5+5+5=20
6. भारत-यू.एस. (Indo-U.S.) व्यापार संबंधों में हाल की प्रवृत्तियों एवं संभाव्यताओं का विवेचन कीजिए। भारत-यू.एस.व्यापार की वृद्धि में क्या मुख्य बाध्यताएं हैं? 12+8=20
7. (a) चालू खाता परिवर्तनशीलता तथा पूंजी खाता परिवर्तनशीलता से आप क्या समझते हैं?  
(b) भारत के भुगतान शेष की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10+10=20
8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : 5+5+5+5=20  
(a) विश्व व्यापार संवर्धन के अन्तर्राष्ट्रीय संगठन  
(b) साउथ एशियन एसोसियेशन फार रीजनल कूआपेरेशन (SAARC)  
(c) भारत-सी.आई.एस. व्यापार संबंध (India-CIS Trade Relations)  
(d) भारतीय हस्तशिल्प की निर्यात संभाव्यताएं